भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3539

उत्तर देने की तारीख 10 अगस्त, 2026

सोमवार, 19 श्रावण, 1948 (शक)

कांच उद्योग के श्रमिकों का कौशल विकास

†3539.श्री अक्षय यादव:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने फिरोजाबाद में मार्च, 2026 से गैस आपूर्ति संकट के कारण बेरोजगार या क्षमता से कम रोजगार-प्राप्त करने वाले कांच और चूड़ी उद्योग के श्रमिकों पर ध्यान दिया है;

(ख) यदि हां, तो क्या प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) या स्किल इंडिया डिजिटल के अंतर्गत उक्त श्रमिकों के लिए कोई नव कौशल सृजन या ब्रिज पाठ्यक्रम आधारित रोजगार कार्यक्रम शुरू किया गया है या प्रस्तावित है;

(ग) वर्ष 2025-26 के दौरान केंद्रीय कौशल योजनाओं के अंतर्गत प्रमाण-पत्र प्राप्त फिरोजाबाद के अभ्यर्थियों की संख्या का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में प्राप्त हुए रोजगार परिणामों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या फिरोजाबाद में एकल-उद्योग निर्भरता से परे आजीविका के विकल्पों में विविधता लाने के लिए जिला स्तरीय 'स्किल हब' या 'ग्रामीण कौशल केंद्र' स्वीकृत किया गया है; और

(ड.) क्या सरकार का फिरोजाबाद के कुशल कारीगरों को पारंपरिक कांच-शिल्प व्यवसाय से स्थायी रूप से बाहर निकलने से रोकने के लिए किसी लक्षित हस्तक्षेप का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग): सरकार मार्च 2026 से वैश्विक गैस आपूर्ति संकट से अवगत है और पूरे भारत में स्थानीय आजीविका सहित लोगों की आजीविका पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए सुधारात्मक कदम उठा रही है। भारत सरकार के कौशल भारत मिशन (सिम) के अंतर्गत, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) विभिन्न स्कीमों, जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) जैसी प्रमुख स्कीमों के तहत कौशल विकास केंद्रों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम

से और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) द्वारा शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के जरिए उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिला सहित देश भर के समाज के सभी वर्गों को कौशल, पुनर्कौशल और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। कौशल भारत मिशन (सिम) का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना है, जिससे वे कांच और चूड़ी उद्योग सहित उद्योग-प्रासंगिक कौशल से सुसज्जित हो सकें।

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में वर्ष 2025-26 के दौरान एमएसडीई की स्कीमों के तहत प्रशिक्षित/पंजीकृत/नियुक्त उम्मीदवारों की संख्या का ब्यौरा निम्नलिखित है:

पीएमकेवीवाई	जेएसएस	नैप्स	सीटीएस/आईटीआई
131	1800	256	5,973

एमएसडीई की स्कीमों में से, पीएमकेवीवाई के अल्पकालिक प्रशिक्षण घटक के तहत प्लेसमेंट को केवल पहले तीन चरणों (पीएमकेवीवाई 1.0, पीएमकेवीवाई 2.0 और पीएमकेवीवाई 3.0) में ही ट्रैक किया गया था, जिन्हें वर्ष 2015-16 से 2021-22 तक लागू किया गया था। पीएमकेवीवाई (1.0 से 3.0) के तहत, उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में 7,608 उम्मीदवारों को रोजगार मिलने की सूचना मिली है। पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, प्रशिक्षित उम्मीदवारों को उद्योग से संबंधित कौशल पाठ्यक्रमों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान करके उन्हें विभिन्न कैरियर पथ चुनने के लिए सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसमें ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) भी शामिल है।

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद (एचसीएसएससी) राष्ट्रीय शिल्प कौशल मानक प्रशिक्षण (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप जॉब रोलों के तहत कांच के कारीगरों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करके देश भर में पारंपरिक शिल्प समूहों को सशक्त बना रही है। क्षेत्रीय विकास को और गति देने और स्थानीय विरासत को संरक्षित करने के लिए, भारत के कांच कला और शिल्प के प्रमुख केंद्र फिरोजाबाद में लक्षित हस्तक्षेप किए गए हैं। इस समूह में, लगभग 1,000 कारीगरों को कांच के विशिष्ट कार्यों के लिए औपचारिक प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं। साथ ही, वर्ष 2025-26 के दौरान भी 200 कारीगरों ने औपचारिक योग्यता और प्रमाण पत्र प्राप्त किए हैं।

(घ) और (ङ): एमएसडीई की स्कीमें मांग आधारित हैं और इन स्कीमों के तहत प्रशिक्षण केंद्र आवश्यकता के आधार पर स्थापित या संचालित किए जाते हैं। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में एमएसडीई की स्कीमों के तहत स्थापित या कार्यरत प्रशिक्षण केंद्रों का ब्यौरा दिनांक 30.06.2026 तक इस प्रकार है:

पीएमकेवीवाई 4.0 केंद्र (एसटीटी+एसपी) *	जेएसएस केन्द्रों	नैप्स प्रतिष्ठान^	आईटीआई	
			सरकारी	निजी
43	01	59	02	46

* 30.06.2026 तक अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) और विशेष परियोजनाओं (एसपी)^2025-26 में भाग लेने वाले संस्थान

फिरोजाबाद में स्थित सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ ग्लास इंडस्ट्री (सीडीजीआई) की स्थापना लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के तत्वावधान में एक राष्ट्रीय स्तर के लघु एवं मध्यम उद्यम प्रौद्योगिकी विकास केंद्र के रूप में की गई थी। सतत तकनीकी नवाचार, मानक गुणवत्ता नियंत्रण और दीर्घकालिक उद्योग समन्वय सुनिश्चित करने के लिए, एचसीएसएससी ने सीडीजीआई को उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में सूचीबद्ध किया है। इस रणनीतिक सूचीकरण के माध्यम से, फिरोजाबाद से कुशल कांच-शिल्प कारीगरों के पलायन को हतोत्साहित करने के लिए एचसीएसएससी राष्ट्रीय कौशल विकास ढाँचों को सीडीजीआई के विश्व स्तरीय तकनीकी अवसंरचना के साथ जोड़कर उत्पादन विधियों के आधुनिकीकरण, शिल्प कौशल के मानकीकरण और भारतीय काँच के कारीगरों की वैश्विक बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

*****